बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-455
12/12/2019

मुख्यमंत्री ने दरभंगा में 1051.71 करोड़ रुपये की कई विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया

❖ महाकवि बाबा नागार्जुन की इस धरती को प्रणाम करता हूँ :– मुख्यमंत्री

पटना, 12 दिसम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज जल–जीवन–हरियाली यात्रा के क्रम में दरभंगा जिले के बेनीपुर प्रखण्ड अन्तर्गत मुर्तजापुर ग्राम में आयोजित जन जागरूकता सम्मेलन/आमसभा में 1051.71 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट का अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। जनसभा को लेकर बने मंच पर पौधा, पाग एवं शाल भेंटकर दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बरबरे ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। दीप प्रज्ज्वलित कर जागरूकता सम्मेलन का मुख्यमंत्री ने विधिवत उद्घाटन किया। स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता, पाग, अंगवस्त्र एवं मखाने की माला पहनाकर स्वागत किया। जल–जीवन–हरियाली अभियान एवं दरभंगा जिले की विकासात्मक योजनाओं से संबंधित पुस्तिका का विमोचन करने के बाद मुख्यमंत्री ने बाबा नागार्जुन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

सम्मेलन में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री ने राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुर्तुजापुर स्थित पंचायत सुविधा केंद्र, जलापूर्ति एवं टावर निर्माण, सघन वृक्षारोपण, जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत भटोखर पोखर का जीर्णोद्धार एवं सौदर्यीकरण कार्य का अवलोकन किया। विद्यालय प्रांगण में कृषि एवं ऊर्जा विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का मुआयना करने के क्रम में मुख्यमंत्री ने जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ से जुड़ी महिला लाभुकों को ट्रैक्टर की चाबी प्रदान की।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सबसे पहले कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का हृदय से अभिनंदन करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आज महाकवि बाबा नागार्जुन की इस धरती को मैं प्रणाम करता हूँ। याद आता है मुझे, अपना तरौनी ग्राम.....बाबा नागार्जुन की इस कविता के बोल को पढ़ते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली, पृथ्वी की उपयोगिता और इस धरती की खासियत से बाबा नागार्जुन की इस कविता का गहरा संबंध है। सात निश्चय योजना और जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत यहां जो काम हो रहे हैं, उसे देखकर मुझे बेहद खुशी हुई है। जलवायु परिवर्तन को देखते हुए ही हमारी यह जल–जीवन–हरियाली यात्रा शुरू हुयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और मौसम में बदलाव के कारण बिहार कभी बाढ़ तो कभी सुखाड़ का दंश झेल रहा है। 2018 में बिहार के 534 प्रखंडों में से 280 प्रखण्डों को सूखाग्रस्त घोषित करना पड़ा। जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण में आए बदलाव को

देखते हुए हमने इस वर्ष 13 जुलाई को विधानमंडल सदस्यों की एक संयुक्त बैठक बुलाई जो आठ घंटे तक चली। इसी बैठक में हमलोगों ने पूरे बिहार में जल–जीवन–हरियाली–अभियान चलाने का निर्णय लिया। इस अभियान में जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम को भी जोड़ा गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत 11 सूत्री कार्यक्रम को मिशन मोड में पूरा करना है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न संकट से लोगों को निजात दिलाया जा सके। इसके लिए सोखते का निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वृहत पैमाने पर वृक्षारोपण, अहर–पईन, तालाब, सार्वजनिक कुंओं, नलकूप का जीर्णोद्धार करने के साथ ही उसे अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार में 15 जून से ही मॉनसून की शुरुआत हो जाती थी और औसतन 1200 से 1500 मिलीमीटर वर्षापात हुआ करता था लेकिन पिछले तीस सालों के वर्षापात का रिकॉर्ड देखें तो औसतन 1500 मिलीमीटर से घटकर वर्षापात 1027 पर पहुँच गया है। वहीं विगत 13 वर्षों के वर्षापात के आंकड़ो को देखते हैं तो पता चलता है कि बिहार में औसतन वर्षापात घटकर 901 मिलीमीटर पर पहुँच गया है। हमने देखा कि इस वर्ष भूजल स्तर दक्षिण बिहार के साथ–साथ उतर बिहार के दरभंगा में भी काफी नीचे चला गया था। दुनिया के कई देशों में भूजल स्तर समाप्त हो गया है। पहले मिथिला के इलाके में तालाबों की संख्या काफी थी जो धीरे–धीरे कम होती चली गई, जिसके कारण इस इलाके में भी भूजल स्तर में अब गिरावट आने लगी है। दरभंगा में 164 करोड़ रुपये की लागत से तारामंडल सह विज्ञान संग्रहालय जबकि 40 करोड़ रुपये की लागत से इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले रोहतास और कैमूर के इलाकों में ही खेतों में फसल अवशेष जलाए जाते थे लेकिन अब यह सिलसिला पटना, नालंदा होते हुए नार्थ बिहार चम्पारण और पूर्णिया के इलाकों में भी पहुंच गया है, जो बहुत ही खतरनाक है। खेतों में फसल अवशेष जलाए जाने की परम्परा पर पाबंदी लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ–साथ हमलोग किसानों की मदद भी करेंगे। उन्होंने कहा कि फसल कटाई के वक्त खेतों में फसलों का अवशेष नहीं रहे, इसके लिए रोटरी मल्चर, स्ट्रा रिपर, स्ट्रा बेलर एवं रिपर कम बाइंडर और बुआई के लिए हैप्पी सीडर, जीरो टिलेज मशीन जैसे कृषि यंत्रों की खरीद पर राज्य सरकार किसानों को 75 प्रतिशत, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अतिपिछड़े समुदाय के किसानों को 80 प्रतिशत का अनुदान मुहैया करा रही है। फसल कटाई के लिए इन नये यंत्रों को उपयोग में लाना होगा ताकि फसल अवशेष को पशुचारे में परिणत किया जा सके। खेतों में फसल अवशेष जलाने की सलाह देने वाले लोग पर्यावरण के दुश्मन हैं। खेतों में फसल अवशेष जलाने से मिट्टी की उर्वराशक्ति कम हो जाती है। फसल अवशेष प्रबंधन को भी जल–जीवन–हरियाली अभियान से जोड़ा गया है, इससे जलवायु परिवर्तन बेहतर होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के ग्रामीण अंचल में 89 प्रतिशत लोग निवास करते हैं और 76 प्रतिशत लोग जीविकोपार्जन के लिए खेती पर ही निर्भर हैं। मौसम के अनुकूल फसल चक्र में बदलाव लाने एवं लोंगो को प्रेरित करने के लिए प्रयोग के तौर पर 4 संस्थानों के सहयोग से 8 जिलों में अनुसंधान का काम शुरू करवाया गया है, जिसे बाद में पूरे बिहार में लागू किया जाएगा ताकि किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि झारखंड से अलग होने के बाद बिहार में हरित आवरण मात्र 9 प्रतिशत ही रह गया था। वर्ष 2012 से हरियाली मिशन के तहत पूरे बिहार में 19 करोड़ पौधे लगाये गये, जिसके बाद बिहार का ग्रीन कवर एरिया बढ़कर 15 प्रतिशत पर पहुंच गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के

तहत अगले 3 वर्षो में 8 करोड़ पौधे और लगवाये जायेंगे ताकि हरित आवरण 17 प्रतिशत से अधिक हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल चुनाव में जाने से पहले पूरे बिहार में हर घर नल का जल उपलब्ध करा देंगे। नल का जल शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल है इसलिए इसका दूसरे कामों में दुरुपयोग न करें। इससे भूजल स्तर नीचे चला जायेगा और एक समय ऐसा आएगा कि भूजल खत्म हो जाएगा। शौचालय निर्माण का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोगों को खुले में शौच से मुक्ति और पीने का अगर स्वच्छ पानी मिल जाय तो 90 प्रतिशत बीमारियों से उन्हें छुटकारा मिल जाएगा। मेरा काम है आपकी सेवा करने के साथ ही आपको जागृत करना। बिहार के हर घर बिजली योजना को अपनाए जाने के साथ–साथ अब केंद्र ने पूरे देश में हर घर नल का जल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा ही अक्षय ऊर्जा है जो हमें पृथ्वी के अस्तित्व बरकरार रहने तक सदैव मिलता रहेगा। ग्रिड के माध्यम से हम जो बिजली पहुंचा रहे है, उसकी एक समय सीमा है क्योंकि कोयले का सीमित भंडार है इसलिए सौर ऊर्जा के प्रति हमलोग लोगों को प्रेरित करेंगे। सबसे पहले सभी सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाने के बाद लोगों को अपने–अपने घरों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए हमलोग प्रेरित करेंगे। दुनिया मे सबसे ज्यादा आबादी का घनत्व बिहार में है। प्रजनन दर को कम करने के लिए हर ग्राम पंचायत में हमलोगों ने उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलने का निर्णय लिया है जिसमें से 6000 पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोले जा चुके हैं और शेष ग्राम पंचायतों में अप्रैल माह से 9वीं कक्षा की पढ़ाई शुरू करा दी जायेगी।

जनसभा में उपस्थित लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से बचने एवं पर्यावरण को ठीक रखने के लिए हम सबको मिलकर काम करना चाहिये। सात निश्चय के अलावा अन्य योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण सहित सभी क्षेत्रों में विकास का काम किया जा रहा है। 21 जनवरी 2017 को शराबबंदी के पक्ष में बनी मानव श्रृंखला में 4 करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया था, जबकि 21 जनवरी 2018 को बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ 14 हजार किलोमीटर में बनी मानव श्रृंखला अपने आप में एक रिकॉर्ड है। अब एक बार फिर 19 जनवरी 2020 को दिन के साढ़े 11 बजे आधे घंटे के लिए दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ जबकि शराबबंदी और जल–जीवन–हरियाली अभियान के पक्ष में समर्पण जाहिर करने के लिए मानव श्रृंखला का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है, आप सबों की भागीदारी से इस बार बनने वाली मानव श्रृंखला पूर्व में बनी सभी मानव श्रृंखला के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देगा। मानव श्रृंखला में इस बार जब आप सब एक दूसरे का हाथ पकड़कर खड़ा होंगे तो पूरी दुनिया मे यह एक मजबूत संदेश जाएगा कि गरीबी के बावजूद बिहार में जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों में इतनी अधिक जागृति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति श्री बिल गेट्स ने बिहार में जलवायु परिवर्तन पर हो रहे कामों को जानने के बाद दिल्ली में इसकी काफी प्रशंसा की थी।

मुख्यमंत्री की अपील पर जनसभा में मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर मानव श्रृंखला में शामिल होने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने सूर्य के समक्ष संकल्प लिया है इसलिए भूलियेगा मत, मानव श्रृंखला में जरूर शामिल होइयेगा। उन्होंने कहा कि जल महत्वपूर्ण है यह लोगों को समझाना होगा क्योंकि जल और हरियाली के बीच ही जीवन है। जलवायु परिवर्तन में सुधार, पर्यावरण संकट से छुटकारा एवं सामाजिक जागृति लाना ही जल–जीवन–हरियाली अभियान का मकसद है। मनुष्य को यदि अपना और पशु–पक्षियों का जीवन बचाना है तो जल के साथ–साथ हरियाली को बचाने के लिए भी सचेत और जागरूक

होना पड़ेगा। जनसभा में मौजूद लोगों से मुख्यमंत्री ने आपस में प्रेम, भाईचारा एवं सद्भाव का माहौल कायम रखते हुए पृथ्वी के संरक्षण और अपने जीवन की रक्षा के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

जनसभा को योजना एवं विकास विभाग सह दरभंगा जिले के प्रभारी मंत्री श्री महेश्वर हजारी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री मदन सहनी, विधायक श्री सुनील चौधरी, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय एवं दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बड़बड़े ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री शशिभूषण हजारी, विधान पार्षद श्री सुनील सिंह, विधान पार्षद श्री अर्जुन सहनी, विधान पार्षद श्री दिलीप कुमार चौधरी, पूर्व विधायक श्री इजहार अहमद, पूर्व विधान पार्षद श्री मिश्रीलाल यादव, जदयू जिलाध्यक्ष श्री अजय चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री हरि सहनी, दरभंगा के प्रभारी सचिव श्री अतुल प्रसाद, पंचायती राज, लघु जल संसाधन एवं पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव श्री अमृत लाल मीणा, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, दरभंगा प्रक्षेत्र के डी0आई0जी0 श्री पंकज दराद, जिलाधिकारी श्री त्याग राजन एस0एम0, पुलिस अधीक्षक श्री बाबू राम सहित अन्य गणमान्य लोग, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

******